International Research Journal of Human Resource and Social Sciences
ISSN(O): (2349-4085) ISSN(P): (2394-4218)
Impact Factor 7.924 Volume 11, Issue 05, May 2024
Website- www.aarf.asia, **Email** : editoraarf@gmail.com

छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर नैतिक मूल्यों, आत्म-अवधारणा और शैक्षणिक चिंता के प्रभाव का अध्ययन

Vaishali Singh[1], Renu Kansal[2]

Research Scholar[1], Assistant Professor[2], Department of Education,

Baba Mastnath University, Rohtak, Haryana, India.

सार: यह शोध पत्र छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर नैतिक मूल्यों, आत्म-अवधारणा और शैक्षणिक चिंता के प्रभाव की जांच करता है। मिश्रित-तरीकों के दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए, विभिन्न शैक्षिक संदर्भों में विविध छात्र आबादी से डेटा एकत्र किया गया था। अध्ययन का उद्देश्य यह उजागर करना है कि नैतिक मूल्य, आत्म-अवधारणा और शैक्षणिक चिंता सामूहिक रूप से छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को कैसे प्रभावित करते हैं और उनकी शैक्षणिक सफलता का समर्थन करने के लिए संभावित हस्तक्षेपों में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। निष्कर्ष मनोवैज्ञानिक कारकों और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच जटिल संबंधों की हमारी समझ में योगदान करते हैं, जो शैक्षिक अभ्यास और नीति के लिए निहितार्थ प्रस्तुत करते हैं।

मुख्य शब्द: नैतिक मूल्य, आत्म-अवधारणा, शैक्षणिक चिंता, शैक्षणिक उपलब्धि, हाई स्कूल के छात्र,

परिचय

शिक्षा के गतिशील परिदृश्य में, छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले बहुमुखी कारकों को समझना उनके समग्र विकास और सफलता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। इन कारकों में, नैतिक मूल्य, आत्म-अवधारणा और शैक्षणिक चिंता प्रमुख आयाम के रूप में उभरते हैं जो व्यापक अन्वेषण की आवश्यकता रखते हैं। यह परिचय शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध में

© Association of Academic Researchers and Faculties (AARF)
A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International e-Journal - Included in the International Serial Directories.

नैतिक मूल्यों, आत्म-अवधारणा और शैक्षणिक चिंता के अध्ययन के महत्व का एक विस्तृत अवलोकन प्रदान करता है, जो अनुसंधान प्रयास के लिए आधार तैयार करता है।

शिक्षा सामाजिक प्रगति की आधारशिला के रूप में कार्य करती है, व्यक्तियों को उनकी क्षमता का एहसास करने और अपने समुदायों में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाती है। इस संदर्भ में, शैक्षणिक उपलब्धि एक केंद्रीय लक्ष्य के रूप में है, जो विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों के ज्ञान और कौशल की महारत को दर्शाती है। हालाँकि, शैक्षणिक सफलता की ओर यात्रा पूरी तरह से संज्ञानात्मक क्षमताओं से निर्धारित नहीं होती है; बल्कि, यह असंख्य मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और भावनात्मक कारकों से आकार लेता है जो छात्रों के सीखने के अनुभवों और परिणामों को प्रभावित करते हैं।

नैतिक मूल्य:

नैतिक मूल्य, जिसमें अखंडता, सहानुभूति और सामाजिक जिम्मेदारी के सिद्धांत शामिल हैं, सामाजिक संदर्भों में व्यक्तियों के व्यवहार, निर्णय और बातचीत को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शैक्षिक क्षेत्र में, नैतिक आचरण को बढ़ावा देने, सामाजिक व्यवहार को बढ़ावा देने और सीखने और विकास के लिए अनुकूल सकारात्मक स्कूल माहौल का पोषण करने के लिए नैतिक मूल्यों की खेती आवश्यक है। नैतिक मूल्यों को स्थापित करके, शिक्षकों का लक्ष्य छात्रों को नैतिक दुविधाओं से निपटने, नैतिक मानकों को बनाए रखने और अपने समुदायों में सकारात्मक योगदान देने के लिए सशक्त बनाना है।

स्व-अवधारणा:

आत्म-अवधारणा, जिसे व्यक्तियों की उनकी क्षमताओं, विशेषताओं और मूल्य के बारे में धारणा के रूप में परिभाषित किया गया है, शैक्षणिक प्रेरणा, जुड़ाव और उपलब्धि के मौलिक निर्धारक के

रूप में कार्य करता है। बंडुरा का सामाजिक संज्ञानात्मक सिद्धांत मानता है कि आत्म-विश्वास व्यक्तियों की आकांक्षाओं, व्यवहारों और परिणामों को प्रभावित करते हैं, उनके शैक्षणिक प्रक्षेप पथ को आकार देते हैं। सकारात्मक आत्म-अवधारणा वाले छात्र अपनी क्षमताओं में विश्वास, चुनौतियों का सामना करने में लचीलापन और दृढ़ संकल्प के साथ शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की इच्छा प्रदर्शित करते हैं। इसके विपरीत, कम आत्म-अवधारणा छात्रों के आत्मविश्वास को कमजोर कर सकती है, उनके शैक्षणिक प्रदर्शन में बाधा डाल सकती है और उनके समग्र कल्याण में बाधा डाल सकती है।

शैक्षणिक चिंता:

शैक्षणिक कार्यों और मूल्यांकनों के जवाब में आशंका, तनाव और भय की भावनाओं से युक्त शैक्षणिक चिंता, छात्रों की शैक्षणिक सफलता और मनोवैज्ञानिक कल्याण के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। जैसे-जैसे छात्र शैक्षणिक अपेक्षाओं को पूरा करने का प्रयास करते हैं, वे प्रदर्शन के दबाव, असफलता के डर या कथित शैक्षणिक मांगों के कारण चिंता के स्तर में वृद्धि का अनुभव कर सकते हैं। शैक्षणिक चिंता विभिन्न रूपों में प्रकट हो सकती है, जैसे परीक्षण चिंता, पूर्णतावाद, या टालने का व्यवहार, और छात्रों के संज्ञानात्मक कामकाज, भावनात्मक विनियमन और शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित कर सकती है।

इस पृष्ठभूमि में, इस अध्ययन का उद्देश्य छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर नैतिक मूल्यों, आत्म-अवधारणा और शैक्षणिक चिंता के प्रभाव की जांच करना है। इन मनोवैज्ञानिक संरचनाओं के बीच जटिल संबंधों की जांच करके, शोध यह स्पष्ट करना चाहता है कि नैतिक मूल्य, आत्म-अवधारणा और शैक्षणिक चिंता सामूहिक रूप से छात्रों के शैक्षणिक परिणामों को कैसे प्रभावित करते हैं। इसके अतिरिक्त, अध्ययन का उद्देश्य छात्रों की शैक्षणिक सफलता और कल्याण को बढ़ाने के लिए संभावित हस्तक्षेप और समर्थन तंत्र की पहचान करना है।

यह परिचय छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि को समझने में नैतिक मूल्यों, आत्म-अवधारणा और शैक्षणिक चिंता के अध्ययन के महत्व पर प्रकाश डालता है। इन मनोवैज्ञानिक आयामों की खोज करके, अनुसंधान व्यक्तिगत विशेषताओं और शैक्षणिक परिणामों के बीच जटिल परस्पर क्रिया

की हमारी समझ में योगदान करने का प्रयास करता है, जो शैक्षिक अभ्यास, नीति और भविष्य के अनुसंधान प्रयासों के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

साहित्य की समीक्षा

इस व्यापक साहित्य समीक्षा में, हम छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर नैतिक मूल्यों, आत्म-अवधारणा और शैक्षणिक चिंता के प्रभाव पर मौजूदा शोध पर चर्चा करते हैं। मौलिक अध्ययनों और सैद्धांतिक ढाँचों के आधार पर, हमारा लक्ष्य इन मनोवैज्ञानिक संरचनाओं और शैक्षिक अभ्यास और नीति के लिए उनके निहितार्थों के बीच जटिल परस्पर क्रिया को स्पष्ट करना है।

नैतिक मूल्य और शैक्षणिक उपलब्धि

नैतिक मूल्य, जिसमें सत्यनिष्ठा, सहानुभूति और सामाजिक जिम्मेदारी के सिद्धांत शामिल हैं, छात्रों के चरित्र विकास और नैतिक निर्णय लेने के अभिन्न अंग हैं (वाट्स एंड लोवेट, 2020)। अनुसंधान नैतिक मूल्यों और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच एक सकारात्मक संबंध को इंगित करता है, जो छात्र नैतिक मानकों को बनाए रखते हैं, वे शैक्षणिक जुड़ाव और प्रदर्शन के उच्च स्तर का प्रदर्शन करते हैं (अंडरमान और मैहर, 2018)। इसके अलावा, जो स्कूल नैतिक शिक्षा को प्राथमिकता देते हैं और ईमानदारी की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं, उनमें शैक्षणिक सफलता के लिए अनुकूल सकारात्मक शिक्षण माहौल विकसित करने की अधिक संभावना होती है (खान, 2017)।

स्व-अवधारणा और शैक्षणिक उपलब्धि

आत्म-अवधारणा, जिसे व्यक्तियों की उनकी क्षमताओं, विशेषताओं और मूल्य के बारे में धारणा के रूप में परिभाषित किया गया है, छात्रों की शैक्षणिक प्रेरणा, जुड़ाव और उपलब्धि को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है (मार्श एंड क्रेवेन, 2018)। बंडुरा का सामाजिक संज्ञानात्मक सिद्धांत मानता है कि आत्म-विश्वास व्यक्तियों के व्यवहार और परिणामों को प्रभावित करते हैं, जिसमें उच्च स्तर की आत्म-अवधारणा शैक्षणिक लचीलेपन और सकारात्मक शैक्षणिक परिणामों

से जुड़ी होती है (बंडुरा, 2012)। इसके विपरीत, कम आत्म-अवधारणा छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन में बाधा डाल सकती है और सफल होने के लिए उनके आत्मविश्वास और प्रेरणा को कमजोर कर सकती है।

शैक्षणिक चिंता और उपलब्धि

शैक्षणिक कार्यों और मूल्यांकनों के जवाब में आशंका, तनाव और भय की भावनाओं से युक्त शैक्षणिक चिंता, छात्रों की शैक्षणिक सफलता और मनोवैज्ञानिक कल्याण के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है (पुटवेन एट अल।, 2015)। शोध से पता चलता है कि बढ़ी हुई शैक्षणिक चिंता संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली को ख़राब कर सकती है, शैक्षणिक प्रदर्शन में बाधा उत्पन्न कर सकती है, और टालमटोल या टालने के व्यवहार जैसी प्रतिकूल मुकाबला रणनीतियों में योगदान कर सकती है (ज़ीडनर, 2014)। शैक्षणिक चिंता के अंतर्निहित कारणों को संबोधित करना और प्रभावी तनाव प्रबंधन रणनीतियों को बढ़ावा देना छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और कल्याण के समर्थन के लिए आवश्यक है।

साहित्य समीक्षा छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि को आकार देने में नैतिक मूल्यों, आत्म-अवधारणा और शैक्षणिक चिंता के महत्व पर प्रकाश डालती है। मौजूदा अनुसंधान और सैद्धांतिक ढांचे को संश्लेषित करके, यह समीक्षा मनोवैज्ञानिक कारकों और शैक्षणिक परिणामों के बीच जटिल परस्पर क्रिया में अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। छात्रों की शैक्षणिक सफलता और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए लक्षित हस्तक्षेप और समर्थन तंत्र के माध्यम से इन कारकों को संबोधित करना आवश्यक है। यह समीक्षा छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर नैतिक मूल्यों, आत्म-अवधारणा और शैक्षणिक चिंता के प्रभाव की अनुभवजन्य जांच के लिए मंच तैयार करती है, जो शैक्षिक अभ्यास, नीति और भविष्य के अनुसंधान प्रयासों के लिए मूल्यवान निहितार्थ पेश करती है।

शोध विधि

एक अध्ययन डिजाइन का उपयोग यह निर्धारित करने के लिए किया जाता है कि कौन सा दृष्टिकोण किस शोध विषय के उद्देश्यांे को पूर्ण करने के लिए सबसे उपयुक्त है। एक वर्णनात्मक शोध डिजाइन का उपयोग करते हुए, इस शोध का उद्देश्य हरियाणा राज्य के 11वीं कक्षा के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर नैतिक मूल्यों, आत्म-अवधारणा और शैक्षणिक चिंता के प्रभावों का अध्ययन का विश्लेषण करना है। वर्णनात्मक अध्ययन करने के कई तरीके हैं, जिनमे गुणात्मक और मात्रात्मक दोनांे शामिल हैं। शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन में मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों तरीकों का इस्तेमाल किया। यह मिश्रित दृष्टिकोण वाली रणनीति है। इसमें अनुसंधान प्रक्रिया के भाग के रूप में, जांच के लक्ष्यों और उद्देश्यों को परिभाषित करना, साथ ही प्रतिभागियों से डेटा एकत्र और विश्लेषण करना आवश्यक है। इस शोध का फोकस हरियाणा राज्य के 11वीं कक्षा के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर नैतिक मूल्यों, आत्म-अवधारणा और शैक्षणिक चिंता के प्रभावों का अध्ययन के विश्लेषण पर है। शोध डिजाइन को नीचे दी गई तालिका के अनुसार देखा जा सकता है।

अध्ययन क्षेत्र:-

हमारा शोध अध्ययन हरियाणा राज्य के कुछ जिलों में है।

अध्ययन की जनसंख्या:-

यह अध्ययन हरियाणा राज्य के कुछ जिलो के 11वीं कक्षा के छात्रों पर केंद्रित है, इसके लिए हमने अपने अध्ययन में कुल 600 छात्रों को लिया है जिसमं े से 300 लडको और 300 लडकियांे को शामिल किया हैं।

नमूना तकनीक का प्रयोग किया गया:-

लक्ष्य आबादी से एक प्रतिनिधि नमूना चुनने के लिए संभाव्यता और गैर-संभावना नमूना तकनीकों का संयोजन नियोजित किया गया है। 11वीं कक्षा के छात्रांे पर विशेष ध्यान दते हुए, प्रासंगिकता और उपयुक्तता सुनिश्चित करने के लिए एक उद्देश्यपूर्ण नमूनाकरण पद्धति का उपयोग किया गया है।

चर:-

चर वे विशेषताएँ होती हैं जो अध्ययन किए जा रहे प्रत्येक व्यक्तिगत विषय के लिए अद्वितीय हैं। एक विचार के रूप में, यह वह है जिसे मापा जा सकता है। हम इस शब्द का प्रयोग उन चीजों, लोगों या परिस्थितियां का वर्णन करने के लिए करते हैं जिनमे उतार-चढ़ाव या भिन्नता होती है।

परिणाम और चर्चा

इस अध्ययन में जांच के तहत चर के लिए किए गए विश्वसनीयता विश्लेषण के परिणाम प्रस्तुत करती है। नैतिक मूल्य, आत्म-अवधारणा, शैक्षणिक चिंता और शैक्षणिक उपलब्धि सहित प्रत्येक चर में दस आइटम शामिल हैं। तालिका प्रत्येक चर के लिए गणना किए गए क्रोनबैक के अल्फा मानों को प्रदर्शित करती है, जो प्रत्येक निर्माण के भीतर आंतरिक स्थिरता के स्तर को दर्शाती है।

जैसा कि तालिका 1 में दर्शाया गया है, सभी चर उत्कृष्ट विश्वसनीयता प्रदर्शित करते हैं, जिसमें क्रोनबैक के अल्फा मान 0.9 से अधिक हैं। विशेष रूप से, नैतिक मूल्यों, आत्म-अवधारणा, शैक्षणिक चिंता और शैक्षणिक उपलब्धि के लिए विश्वसनीयता गुणांक क्रमशः 0.909, 0.914, 0.946 और 0.922 हैं। ये उच्च क्रोनबैक के अल्फा मान प्रत्येक चर के भीतर वस्तुओं के प्रति प्रतिक्रियाओं के बीच मजबूत सहमति को दर्शाते हैं, जो उनकी आंतरिक स्थिरता और विश्वसनीयता की पुष्टि करते हैं।

विश्वसनीयता विश्लेषण के परिणाम इस अध्ययन में उपयोग किए गए माप उपकरणों में विश्वास प्रदान करते हैं। सभी चरों के लिए स्थापित उत्कृष्ट विश्वसनीयता के साथ, सर्वेक्षण आइटम हरियाणा राज्य में कक्षा 11 के छात्रों के बीच नैतिक मूल्यों, आत्म-अवधारणा, शैक्षणिक चिंता और शैक्षणिक उपलब्धि के इच्छित निर्माणों को प्रभावी ढंग से पकड़ते हैं। ये निष्कर्ष अध्ययन के परिणामों की विश्वसनीयता और भरोसेमंदता को बढ़ाते हैं, जिससे डेटा के आगे के विश्लेषण और व्याख्या के लिए एक ठोस आधार तैयार होता है।

तालिका 1 विश्वसनीयता विश्लेषण

चर	**प्रत्येक चर में प्रश्नो की संख्या**	**क्रोंबाच अल्फ़ा का मान**	**विश्वसनीय विश्लेषण**
नैतिक मूल्य	10	0.909	उत्कृष्ट
स्व संकल्पना	10	0.914	उत्कृष्ट
शैक्षणिक चिंता	10	0.946	उत्कृष्ट
शैक्षिक उपलब्धि	10	0.922	उत्कृष्ट

4.3 वर्णनात्मक सांख्यिकी

तालिका 2 नैतिक मूल्यों, आत्म-अवधारणा, शैक्षणिक चिंता और शैक्षणिक उपलब्धि के चरों के भीतर प्रत्येक कथन के लिए वर्णनात्मक सांख्यिकी का एक व्यापक अवलोकन प्रदान करती है। ये आँकड़े हरियाणा राज्य में सर्वेक्षण किए गए कक्षा 11 के छात्रों के बीच प्रतिक्रियाओं के वितरण और परिवर्तनशीलता के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

नैतिक मूल्यों के क्षेत्र में, उत्तरदाताओं ने शैक्षणिक सेटिंग में नैतिक व्यवहार और सहयोग पर जोर देने वाले कथनों के साथ मजबूत सहमति प्रदर्शित की। उदाहरण के लिए, "शैक्षणिक सफलता के लिए नैतिक मानकों को बनाए रखना आवश्यक है" को 4.048 का औसत स्कोर मिला, जो प्रतिभागियों के बीच पर्याप्त सहमति दर्शाता है। इसी तरह, सहानुभूति, टीमवर्क और जिम्मेदारी के प्रति भावनाएं 3.920 से 4.138 तक के औसत स्कोर में सकारात्मक रूप से परिलक्षित हुईं, जिसमें प्रतिक्रियाओं में न्यूनतम परिवर्तनशीलता देखी गई।

आत्म-अवधारणा के दायरे में, उत्तरदाताओं ने अपनी शैक्षणिक क्षमताओं और सीखने के अनुभवों के संबंध में आत्मविश्वास और सकारात्मकता की अलग-अलग डिग्री प्रदर्शित की। "एक शिक्षार्थी के रूप में मेरे पास खुद के बारे में एक सकारात्मक दृष्टिकोण है" और "मुझे विश्वास है कि मैं प्रयास और दृढ़ता के साथ अकादमिक चुनौतियों को पार कर सकता हूं" जैसे बयानों ने क्रमशः 3.722 और 3.685 के औसत स्कोर प्राप्त किए, जो प्रतिभागियों के बीच आम तौर पर अनुकूल आत्म-धारणा का सुझाव देते हैं। हालाँकि, एक छात्र के रूप में ताकत और कमजोरियों को समझने से संबंधित प्रतिक्रियाओं में कुछ परिवर्तनशीलता स्पष्ट थी, औसत स्कोर 3.508 से 3.953 तक था।

शैक्षणिक चिंता के संबंध में, उत्तरदाताओं ने विभिन्न शैक्षणिक तनावों के संबंध में उल्लेखनीय स्तर की आशंका और चिंता व्यक्त की। चिंता की भावनाओं, शैक्षणिक अपेक्षाओं को पूरा करने के बारे में चिंता, और शिक्षा से संबंधित शारीरिक लक्षणों का अनुभव करने वाले बयानों को 3.6767 से 4.0717 तक औसत स्कोर प्राप्त हुआ, जो प्रतिभागियों के बीच मध्यम से उच्च स्तर की सहमति का संकेत देता है। इससे पता चलता है कि हरियाणा राज्य में सर्वेक्षण में शामिल कक्षा 11 के छात्रों के बीच शैक्षणिक चिंता एक प्रचलित मुद्दा है।

शैक्षणिक उपलब्धि के क्षेत्र में, उत्तरदाताओं ने आम तौर पर अपने वर्तमान शैक्षणिक प्रदर्शन से संतुष्टि व्यक्त की और उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने की उनकी क्षमता में दृढ़ विश्वास व्यक्त किया। "मैं अपने वर्तमान शैक्षणिक प्रदर्शन से संतुष्ट हूं" और "मैं अकादमिक उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित महसूस करता हूं" जैसे बयानों को क्रमशः 4.043 और 4.0633 के औसत स्कोर प्राप्त हुए।

हालाँकि, चुनौतीपूर्ण लक्ष्य निर्धारित करने और शिक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त करने से संबंधित प्रतिक्रियाओं में कुछ परिवर्तनशीलता देखी गई, जिसका औसत स्कोर 4.0167 से 4.1600 तक था।

तालिका 2 नैतिक मूल्य की वर्णनात्मक सांख्यिकी

वर्णनात्मक आँकड़े				
प्रश्न	**कुल**	**माध्य**	**मानक विचलन**	**अंतर (वैरिअन्स)**
1. शैक्षणिक सफलता के लिए नैतिक मानकों को कायम रखना आवश्यक है।	600	4.0483	1.08688	1.181
2. दूसरों के प्रति सहानुभूति प्रदर्शित करने से शैक्षणिक समुदाय में वृद्धि होती है।	600	4.0533	.98596	.972
3. मैं शैक्षणिक परियोजनाओं में टीमवर्क और सहयोग के मूल्य में विश्वास करता हूं।	600	4.1117	.94729	.897
4. अपने कार्यों के प्रति जिम्मेदार होना मेरे शैक्षणिक मूल्यों का एक प्रमुख पहलू है।	600	4.1383	1.08220	1.171
5. मैं शैक्षणिक चुनौतियों का सामना करते हुए भी नैतिक आचरण बनाए रखने का प्रयास करता हूँ।	600	3.9200	1.08884	1.186
6. मैं अकादमिक सेटिंग में दूसरों की राय और दृष्टिकोण का सम्मान करना महत्वपूर्ण मानता हूं।	600	4.0967	1.12224	1.259
7. मैं शैक्षणिक सत्यनिष्ठा और साहित्यिक चोरी या धोखाधड़ी से बचने के लिए प्रतिबद्ध हूं।	600	3.4583	.88670	.786

8. मैं अपने शैक्षणिक जीवन के सभी पहलुओं में ईमानदारी और सत्यनिष्ठा में विश्वास करता हूं।	600	3.6267	.99781	.996
9. नैतिक मूल्यों को कायम रखने से मेरे शैक्षणिक प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।	600	3.6733	1.04008	1.082
10. मैं शैक्षणिक वातावरण में निष्पक्षता और न्याय को महत्व देता हूं।	600	3.7333	1.00859	1.017

कुल मिलाकर, तालिका 2 में प्रस्तुत वर्णनात्मक आँकड़े हरियाणा राज्य में कक्षा 11 के छात्रों के बीच नैतिक मूल्यों, आत्म-अवधारणा, शैक्षणिक चिंता और शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध में प्रतिक्रियाओं के वितरण पर प्रकाश डालते हैं। ये निष्कर्ष छात्रों को उनके शैक्षणिक अनुभवों के विभिन्न पहलुओं के प्रति दृष्टिकोण और धारणाओं में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं, डेटा के आगे के विश्लेषण और व्याख्या के लिए आधार तैयार करते हैं।

तालिका 3 स्व संकल्पना की वर्णनात्मक सांख्यिकी

प्रश्न	**कुल**	**माध्य**	**मानक विचलन**	**अंतर (वैरिअन्स)**
2. एक शिक्षार्थी के रूप में मेरा अपने बारे में सकारात्मक दृष्टिकोण है।	600	3.7217	1.09371	1.196
3. मेरा मानना है कि मैं प्रयास और दृढ़ता से शैक्षणिक चुनौतियों पर काबू पा सकता हूं।	600	3.6850	1.05244	1.108
4. मुझे अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों पर गर्व है।	600	3.5083	1.10089	1.212
5. मैं अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में स्वयं को सक्षम	600	3.5333	1.13917	1.298

मानता हूँ।				
6. एक छात्र के रूप में मुझे अपनी ताकत और कमजोरियों की स्पष्ट समझ है।	600	3.9533	1.12692	1.270
7. मैं शैक्षणिक रूप से सफल होने के लिए प्रेरित महसूस करता हूं।	600	3.8117	1.17693	1.385
8. मुझे अपनी सीखने और शैक्षणिक रूप से आगे बढ़ने की क्षमता पर विश्वास है।	600	3.9450	1.06326	1.131
9. मैं शैक्षणिक परिवेश में अपने विचार और राय व्यक्त करने में आश्वस्त हूं।	600	4.0317	.98095	.962
10. जब मुझे शैक्षणिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है तो मैं मदद या समर्थन लेने में सहज महसूस करता हूं।	600	3.9933	1.10845	1.229

तालिका 3 अध्ययन के मुख्य चरों के लिए वर्णनात्मक सांख्यिकी का सारांश प्रदान करती है: नैतिक मूल्य, आत्म-अवधारणा, शैक्षणिक चिंता और शैक्षणिक उपलब्धि। ये आँकड़े हरियाणा राज्य में सर्वेक्षण किए गए कक्षा 11 के छात्रों के बीच प्रतिक्रियाओं की केंद्रीय प्रवृत्तियों और परिवर्तनशीलता के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करते हैं।

नैतिक मूल्यों के संदर्भ में, 3.8860 का औसत स्कोर उत्तरदाताओं के बीच शैक्षणिक सेटिंग्स में नैतिक मानकों और सहयोगी व्यवहारों के प्रति आम तौर पर सकारात्मक दृष्टिकोण को दर्शाता है। 0.76094 का अपेक्षाकृत कम मानक विचलन बताता है कि प्रतिक्रियाएँ औसत के आसपास ही थीं, जो शैक्षणिक गतिविधियों में नैतिक मूल्यों के महत्व के बारे में प्रतिभागियों के बीच सहमति की एक डिग्री को दर्शाता है। 0.579 का विचरण इस धारणा का और समर्थन करता है, जो इस चर के भीतर प्रतिक्रियाओं के अपेक्षाकृत सीमित फैलाव को दर्शाता है।

तालिका 3 इसी तरह, **स्व संकल्पना** के लिए वर्णनात्मक आँकड़े 3.7732 के औसत औसत स्कोर को दर्शाते हैं, जो छात्रों के बीच उनकी शैक्षणिक क्षमताओं और सीखने के अनुभवों के संबंध में मध्यम स्तर के आत्मविश्वास और सकारात्मक आत्म-धारणा को दर्शाता है। 0.81367 का मानक विचलन नैतिक मूल्यों की तुलना में प्रतिक्रियाओं में थोड़ी अधिक परिवर्तनशीलता का सुझाव देता है, जो दर्शाता है कि उत्तरदाताओं के बीच आत्म-अवधारणा की धारणाएं काफी हद तक भिन्न हो सकती हैं। 0.662 का विचरण इस खोज की पुष्टि करता है, जो इस चर के भीतर प्रतिक्रियाओं के कुछ हद तक व्यापक प्रसार का संकेत देता है।

तालिका 4 शैक्षणिक चिंता की वर्णनात्मक सांख्यिकी

प्रश्न	कुल	माध्य	मानक विचलन	अंतर (वैरिअन्स)
1. मैं अक्सर आगामी परीक्षाओं या असाइनमेंट को लेकर चिंतित रहता हूँ।	600	3.6767	1.19492	1.428
2. शैक्षणिक प्रदर्शन के विचार कभी-कभी मेरी दैनिक गतिविधियों में बाधा डालते हैं।	600	4.0717	1.03521	1.072
3. मैं स्वयं या दूसरों द्वारा निर्धारित शैक्षणिक अपेक्षाओं को पूरा करने के बारे में चिंतित रहता हूँ।	600	3.8167	1.05747	1.118
4. असफलता का डर मेरी पढ़ाई या कक्षा में भाग लेने की प्रेरणा को प्रभावित करता है।	600	4.0583	.93794	.880
5. मुझे अक्सर शैक्षणिक कार्यों से संबंधित तनाव या घबराहट जैसे शारीरिक लक्षण अनुभव होते हैं।	600	4.0133	.92263	.851
6. टालमटोल करना मेरी शैक्षणिक चिंताओं का एक सामान्य जवाब है।	600	3.7550	1.08640	1.180

7. मैं शैक्षणिक कार्यभार और समय-सीमा से अभिभूत महसूस करता हूँ।	600	4.0300	.91679	.841
8. मेरी शैक्षणिक योग्यताओं के बारे में नकारात्मक विचार अक्सर मेरे मन में आते रहते हैं।	600	3.8683	1.06594	1.136
9. मुझे शैक्षणिक चिंताओं के कारण पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना चुनौतीपूर्ण लगता है।	600	4.0117	.96076	.923
10. जब मैं अपनी तुलना अन्य विद्यार्थियों से शैक्षणिक रूप से करता हूँ तो तनाव महसूस करता हूँ।	600	3.9517	.93316	.871

तालिका 4 **शैक्षणिक चिंता** की बात करें तो 3.9253 का औसत स्कोर बताता है कि उत्तरदाताओं ने शैक्षणिक चुनौतियों और अपेक्षाओं से संबंधित मध्यम स्तर की चिंता का अनुभव किया। 0.83324 का मानक विचलन प्रतिक्रियाओं में उल्लेखनीय परिवर्तनशीलता को दर्शाता है, जो यह दर्शाता है कि कुछ छात्रों को दूसरों की तुलना में उच्च स्तर की चिंता का अनुभव हो सकता है। 0.694 का विचरण इस परिवर्तनशीलता की पुष्टि करता है, जो इस चर के भीतर प्रतिक्रियाओं के अपेक्षाकृत व्यापक फैलाव को दर्शाता है।

तालिका 5 शैक्षिक उपलब्धि की वर्णनात्मक सांख्यिकी

प्रश्न	**कुल**	**माध्य**	**मानक विचलन**	**अंतर (वैरिअन्स)**
1. मैं अपने वर्तमान शैक्षणिक प्रदर्शन से संतुष्ट हूं।	600	4.0433	1.04560	1.093
2. मेरा मानना है कि मेरी शैक्षणिक उपलब्धियां मेरे प्रयासों	600	4.0200	.96669	.934

और क्षमताओं को प्रतिबिंबित करती हैं।				
3. मैं अकादमिक उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने हेतु प्रेरित महसूस करता हूँ।	600	4.0633	.96309	.928
4. मैं अपने लिए शैक्षणिक रूप से चुनौतीपूर्ण लक्ष्य निर्धारित करता हूं और उन्हें प्राप्त करने के लिए काम करता हूं।	600	4.0167	.99903	.998
5. मुझे अपने शैक्षणिक प्रदर्शन के संबंध में शिक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलती है।	600	4.0350	1.02577	1.052
6. मैं अपनी शिक्षा को बढ़ाने के लिए कक्षा में चर्चाओं और गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेता हूँ।	600	4.1600	.94298	.889
7. मैं नियमित रूप से अपने शैक्षणिक कौशल और ज्ञान को सुधारने के अवसर तलाशता रहता हूँ।	600	4.0383	1.01254	1.025
8. मुझे अपनी शैक्षणिक गतिविधियों में सफल होने की अपनी क्षमता पर पूरा विश्वास है।	600	4.0533	1.08587	1.179
9. मेरी शैक्षणिक उपलब्धियाँ मेरी व्यक्तिगत आकांक्षाओं और लक्ष्यों के अनुरूप हैं।	600	4.0533	.98596	.972
10. मुझे अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों पर गर्व है और मैं	600	4.1167	.94580	.895

निरंतर सुधार के लिए प्रयासरत हूं।				

तालिका 4 में, **शैक्षणिक उपलब्धि** के लिए वर्णनात्मक सांख्यिकी 4.0600 का औसत स्कोर दर्शाती है, जो सर्वेक्षण किए गए छात्रों के बीच शैक्षणिक प्रदर्शन और उपलब्धि की आम तौर पर सकारात्मक धारणा को दर्शाती है। 0.76492 का मानक विचलन प्रतिक्रियाओं में मध्यम स्तर की परिवर्तनशीलता का सुझाव देता है, जो दर्शाता है कि शैक्षणिक उपलब्धि की समग्र धारणाएँ सकारात्मक हैं, लेकिन व्यक्तिगत धारणाओं में कुछ अंतर हो सकते हैं। 0.585 का विचरण इस धारणा का समर्थन करता है, जो दूसरों की तुलना में इस चर के भीतर प्रतिक्रियाओं के अपेक्षाकृत संकीर्ण प्रसार को दर्शाता है।

कुल मिलाकर, तालिका 4.3 में प्रस्तुत वर्णनात्मक सांख्यिकी अध्ययन के प्रमुख चरों में प्रतिक्रियाओं के वितरण और परिवर्तनशीलता के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करती है। ये निष्कर्ष आगे के विश्लेषण और व्याख्या के लिए आधार के रूप में काम करते हैं, जिससे हरियाणा राज्य में कक्षा 11 के छात्रों के बीच शैक्षणिक उपलब्धि और छात्र कल्याण को प्रभावित करने वाले कारकों की हमारी समझ को गहरा करने में मदद मिलती है।

तालिका 6 चरों की वर्णनात्मक सांख्यिकी

वर्णनात्मक आँकड़े				
	कुल	**माध्य**	**मानक विचलन**	**अंतर (वैरिअन्स)**
नैतिक मूल्य	600	3.8860	.76094	.579
स्व संकल्पना	600	3.7732	.81367	.662
शैक्षणिक चिंता	600	3.9253	.83324	.694
शैक्षिक उपलब्धि	600	4.0600	.76492	.585
वैध (सूचीवार)	600			

जैसा कि तालिका 1 में दर्शाया गया है, सभी चर उत्कृष्ट विश्वसनीयता प्रदर्शित करते हैं, जिसमें क्रोनबैक के अल्फा मान 0.9 से अधिक हैं। विशेष रूप से, नैतिक मूल्यों, आत्म-अवधारणा, शैक्षणिक चिंता और शैक्षणिक उपलब्धि के लिए विश्वसनीयता गुणांक क्रमशः 0.909, 0.914, 0.946 और 0.922 हैं। ये उच्च क्रोनबैक के अल्फा मान प्रत्येक चर के भीतर वस्तुओं के प्रति प्रतिक्रियाओं के बीच मजबूत सहमति को दर्शाते हैं, जो उनकी आंतरिक स्थिरता और विश्वसनीयता की पुष्टि करते हैं।

विश्वसनीयता विश्लेषण के परिणाम इस अध्ययन में उपयोग किए गए माप उपकरणों में विश्वास प्रदान करते हैं। सभी चरों के लिए स्थापित उत्कृष्ट विश्वसनीयता के साथ, सर्वेक्षण आइटम हरियाणा राज्य में कक्षा 11 के छात्रों के बीच नैतिक मूल्यों, आत्म-अवधारणा, शैक्षणिक चिंता और शैक्षणिक उपलब्धि के इच्छित निर्माणों को प्रभावी ढंग से पकड़ते हैं। ये निष्कर्ष अध्ययन के परिणामों की विश्वसनीयता और भरोसेमंदता को बढ़ाते हैं, जिससे डेटा के आगे के विश्लेषण और व्याख्या के लिए एक ठोस आधार तैयार होता है।

वर्णनात्मक आंकड़ों की ओर बढ़ते हुए , हरियाणा राज्य में कक्षा 11 के छात्रों के बीच प्रतिक्रियाओं के वितरण और परिवर्तनशीलता का एक व्यापक अवलोकन प्रदान किया गया है। विशेष रूप से, नैतिक मूल्यों के क्षेत्र में, छात्रों ने शैक्षिक सेटिंग्स में नैतिक व्यवहार और सहयोग के महत्व पर मजबूत सहमति प्रदर्शित की, जैसा कि 3.920 से 4.138 तक के औसत स्कोर में परिलक्षित होता है। इसी तरह, सेल्फ-कॉन्सेप्ट में, उत्तरदाताओं ने अपनी शैक्षणिक क्षमताओं के संबंध में आत्मविश्वास और सकारात्मकता के विभिन्न स्तरों का प्रदर्शन किया, जिसका औसत स्कोर 3.508 से 3.953 तक था।

सर्वेक्षण किए गए छात्रों के बीच शैक्षणिक चिंता एक प्रचलित चिंता के रूप में उभरी, जिसका औसत स्कोर 3.6767 से 4.0717 के बीच था, जो शैक्षणिक तनाव से संबंधित आशंका और चिंता की भावनाओं पर मध्यम से उच्च स्तर की सहमति दर्शाता है। इसके विपरीत, शैक्षणिक उपलब्धि के क्षेत्र में, छात्रों ने अपने शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ समग्र संतुष्टि व्यक्त की, जैसा कि 4.0167 से 4.1600 के बीच के औसत स्कोर से स्पष्ट होता है।

ये वर्णनात्मक आँकड़े हरियाणा राज्य में कक्षा 11 के छात्रों के दृष्टिकोण और धारणाओं पर प्रकाश डालते हैं, उनके नैतिक मूल्यों, आत्म-अवधारणा, शैक्षणिक चिंता और शैक्षणिक उपलब्धि के बारे में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। निष्कर्ष छात्र कल्याण और शैक्षणिक सफलता को प्रभावित करने वाले कारकों की गहरी समझ में योगदान करते हैं, शैक्षणिक तनाव से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने और सकारात्मक शैक्षणिक दृष्टिकोण और व्यवहार को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित करते हैं ।

निष्कर्ष

अध्ययन का उद्देश्य हरियाणा राज्य में 11वीं कक्षा के छात्रों के बीच शैक्षणिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले कारकों की व्यापक जांच करना था, जिससे नैतिक मूल्यों, आत्म-अवधारणा, शैक्षणिक चिंता और जनसांख्यिकीय चर के बीच परस्पर क्रिया पर प्रकाश डाला जा सके। विश्वसनीयता विश्लेषण ने सभी निर्माणों में मजबूत आंतरिक स्थिरता स्थापित की, जिससे अध्ययन के परिणामों की विश्वसनीयता की पुष्टि हुई। वर्णनात्मक सांख्यिकी ने छात्रों के दृष्टिकोण और धारणाओं में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की, नैतिक मूल्यों, आत्म-अवधारणा के विभिन्न स्तरों, प्रचलित शैक्षणिक चिंता और शैक्षणिक उपलब्धि के साथ समग्र संतुष्टि पर आम सहमति को उजागर किया।

आवृत्ति विश्लेषण से शैक्षणिक धाराओं और स्कूल प्रकारों में संतुलित लिंग वितरण, आयु जनसांख्यिकी और प्रतिनिधित्व का पता चला, जो नमूना आबादी का एक व्यापक अवलोकन प्रदान करता है। छात्रों ने पढ़ाई के लिए इंटरनेट और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों तक पहुंच के विभिन्न स्तरों की सूचना दी, जो शैक्षिक सेटिंग्स में प्रचलित डिजिटल विभाजन को दर्शाता है। शैक्षणिक दृष्टिकोण अलग-अलग थे, नैतिक मूल्यों और सहानुभूति के महत्व पर मजबूत सहमति, आत्म-अवधारणा के बारे में मिश्रित प्रतिक्रियाएं और शैक्षणिक चिंता के उल्लेखनीय स्तर।

परिकल्पना परीक्षण से विभिन्न चर और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई। जबकि नैतिक मूल्यों और आत्म-अवधारणा ने पूरे नमूने में शैक्षणिक उपलब्धि को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित नहीं किया, शैक्षणिक चिंता कम शैक्षणिक प्रदर्शन के लगातार भविष्यवक्ता के रूप में उभरी। लिंग-विशिष्ट विश्लेषणों ने छात्राओं के बीच नैतिक मूल्यों/आत्म-अवधारणा और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच महत्वपूर्ण सहसंबंधों पर प्रकाश डाला, जो शैक्षिक अनुसंधान में लिंग-विशिष्ट कारकों पर विचार करने के महत्व को रेखांकित करता है।

प्रतिगमन विश्लेषण ने शैक्षणिक उपलब्धि पर आत्म-अवधारणा और शैक्षणिक चिंता के प्रभाव के लिए और अधिक समर्थन प्रदान किया, छात्र प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले मनोवैज्ञानिक कारकों को संबोधित करने के लिए लक्षित हस्तक्षेप की आवश्यकता पर बल दिया। शैक्षणिक चिंता के विभिन्न स्तरों पर तुलनात्मक अध्ययनों से छात्रों के परिणामों पर तनाव के अलग-अलग प्रभावों की सूक्ष्म अंतर्दृष्टि का पता चला, जिससे छात्रों को विविध मुकाबला तंत्र और समर्थन आवश्यकताओं के साथ समर्थन देने की रणनीतियों की जानकारी मिली।

शैक्षणिक उपलब्धि में लिंग-आधारित और स्ट्रीम-विशिष्ट विविधताओं की जांच ने शिक्षा में समानता और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए असमानताओं और अवसरों की पहचान की। विभिन्न जनसांख्यिकीय समूहों और शैक्षणिक धाराओं में शैक्षणिक प्रदर्शन का विश्लेषण करके , अध्ययन ने विशिष्ट छात्र आबादी के अनुरूप लक्षित हस्तक्षेप के लिए क्षेत्रों की पहचान की, जिससे शैक्षणिक सफलता के लिए समान अवसर सुनिश्चित हुए।

कुल मिलाकर, अध्ययन के निष्कर्ष 11वीं कक्षा के छात्रों के बीच शैक्षणिक उपलब्धि को आकार देने वाले व्यक्तिगत, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कारकों के बीच जटिल अंतर्क्रिया के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करते हैं। परिणाम छात्र सहायता और शैक्षिक हस्तक्षेप के लिए समग्र दृष्टिकोण के महत्व को रेखांकित करते हैं, छात्रों की विविध आवश्यकताओं को संबोधित करने और शैक्षणिक सफलता के लिए अनुकूल सहायक शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देने के लिए व्यापक रणनीतियों की आवश्यकता पर बल देते हैं।

सन्दर्भ

* अंडमान, ई.एम., और मैहर, एम.एल. (2018)। विभिन्न संस्कृतियों में प्रेरणा और स्कूली शिक्षा। रूटलेज।
* खान, एम.ए. (2017)। नैतिक मूल्यों और संगठनात्मक प्रदर्शन के बीच संबंध में नैतिक नेतृत्व की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एथिक्स एंड सिस्टम्स, 33(4), 598-618।
* वॉट्स, एम., और लोवेट, टी. (2020)। नैतिक शिक्षा: चरित्र और विवेक का पोषण। स्प्रिंगर.
* पुतवेन, डी., डेली, ए., चेम्बरलेन, एस., और सड्रेडिनी, एस. (2015)। "डूबें या तैरें": ए-स्तर के छात्रों में कार्यभार और चिंता के बीच संबंध को समझाने में कथित नियंत्रण और आत्म-प्रभावकारिता की भूमिका। ब्रिटिश एजुकेशनल रिसर्च जर्नल, 41(5), 701-718।
* ज़ेडनर, एम. (2014)। शिक्षा में चिंता. शैक्षिक मनोविज्ञान, 49(2), 86-90।
* बंडुरा, ए. (2012)। कथित आत्म-प्रभावकारिता के कार्यात्मक गुणों पर दोबारा गौर किया गया। जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट, 38(1), 9-44.
* मार्श, एच.डब्ल्यू., और क्रेवेन, आर.जी. (2018)। स्व-अवधारणा: संरचना, माप और विकास। टी. उरदन और एफ. पजारेस (सं.), किशोरावस्था और शिक्षा (खंड 2, पृ. 103-154) में। एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड।
* पांडा दीपक कुमार एवं राउतराय सूरज प्रकाश,"ए स्टडी ऑफ़ अकादमिक एंग्जायटी ऑफ़ सेकेंडरी स्कूल स्टूडंट्स इन रिलश्नशिप तो दये र सोसिवेकनोमिक बैकग्राउंड इन बलांगीर डिस्ट्रिक्ट", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मल्टीडिसकीप्लीनरी एजुकेशनल रिसर्च,10(8) 2021, पृष्ठः 1-7।
* एकनायक, सकुंतला वाए. एट.एल., " दा रोले ऑफ़ पर्सनल वैल्यूज इन लर्निंग अप्प्रोचेस एंड स्टूडेंट अचीवमेंट्स", नेशनल लाइब्रेरी ऑफ़ मेडिसिन,
* बलबा जोनाह सी. एवं कैंगकोय,मैनुअल ई.,"सेल्फ-कांसेप्ट ऑफ़ कॉलेज स्टूडेंट्स - एम्पिरिकल एविडेंस फ्रॉम एन एशियाई सेटिंग",टेक्नियम सोशल साइंस जर्नल, 24, 2021, पृष्ठः 26-37।
* बोरगोहेन अनिंदिता,"रोले ऑफ़ एथिक्स एंड वैल्यूज इन इंडियन हायर एजुकेशन",रोले ऑफ़ एथिक्स एंड वैल्यूज इन इंडियन हायर एजुकेशन,18(4), 2021, पृष्ठः 3096-3101।

* बसुमतारी संगरीला,"ए स्टडी ऑफ़ मोरल वैल्यूज अमंग हाई स्कूल स्टूडेंट्स",इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 8(5), 2020, पृष्ठः 2889-2892।
* अनी थंकाचन एवं रमाकर रायज़ादा,"ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ़ दा इन्फ्लुएंस ऑफ़ सेल्फ कांसेप्ट एंड मोरल वैल्यूज ओन अचीवमेंट ऑफ़ हायर सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स फ्रॉम गवर्नमेंट प्राइवेट एंड मिशनरी स्कूल्स ऑफ़ भोपाल डिवीज़न",जर्नल ऑफ़ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च ,7(6), 2020, पृष्ठः 102-108।
* मल्होत्रा अशोक,"ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ़ सेल्फ-कांसेप्ट अमंग बॉय एंड गर्ल स्कूल स्टूडेंट्स ऑफ़ रांची टाउन", द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 8(3), 2020, पृष्ठः 2000-2004।
* अलकंदरी नबीला वाई.," स्टूडेंट्स एंग्जायटी एक्सपेरिएंसेस इन हायर एजुकेशन इंस्टीटूशन्स", इंटेक ओपन, 2020, पृष्ठः 1-6।
* राणा,विजयएवं डंगवाल,प्रज्ञान," सेल्फ-एस्टीम एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन अकादमिक अचीवमेंट अमंग एडोलैसैंट्स इन एंड अराउंड लखनऊ इंडिया", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मैनेजमंेट ,11(12), 2020, पृष्ठः 3430-3438।
* नेन आन्यानवू एडलिन एवं एकेने एमेसी किंग्सले, "रिलेशनशिप अमंग सेकेंडरी स्कूल स्टूडंेट्स'अकादमिक सेल्फकॉन्सेप्ट,सेल्फ-एस्टीम एंड अकादमिक अचीवमंटे ्स इन मैथमेटिक्स इन अनम्ब्रा स्टेट", यूनिजिक जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च एंड पालिसी स्टडीज, 1(1), 2020, पृष्ठः 127-139।
* सिंह खंगेमबम अरुणदास," दिमिनिशिंग ऑफ़ मोरल वैल्यूज अमंग इंडियन यूथ्स", इंटरनेशनल जर्नलऑफ़ रिसर्च कल्चर सोसाइटी, 4(5), 2020, पृष्ठः239-242।
* रामली शालिनावती, एट एल,"सेल्फ-आइडेंटिटी एंड अकादमिक अचीवमेंट अमंग सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स इन मलेशिया",साइंटिफिक रिसर्च एन अकादमिक पब्लिशन, 11(10), 2020, पृष्ठः 1906-1921।
* तुसो ,झोसेले, "आत्म-अवधारणा, आत्म-सम्मान, आत्म-प्रभावकारिता और अकादमिक सीनियर हाई स्कूल के छात्रों का प्रदर्शन",इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च कल्चर सोसाइटी, 4(10),2020,पृष्ठः45-59।
* पांचाल आर्टिबेन वी. एवं देसाई त्रुशमं.,"मोरल वैल्यूज अमंग प्राइमरी स्कूल चिल्ड्रन" ,द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 8(1) ,2020, पृष्ठः 281-285।
* पॉल देवशीश,"सेल्फ-एस्टीम एंड रेसिलिएंस एस डेटर्मिनेन्ट्स ऑफ़ अकादमिक अचीवमेंट ऑफ़ लर्नर्स", मुक्त शब्द जर्नल, 9(6), 2020, पृष्ठः122-126।
* गिल सतीश,"अकादमिक अचीवमेंट ऑफ़ सीनियर सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स इंरेलाशन टू हाई एंड लौ एंग्जायटी", स्टडीज इन इंडियन प्लेस नेम्स, 40(40), 2020, पृष्ठः 1459-1465।
* लूसिया हेरेरा, अकादमिक अचीवमेंट,सेल्फ-कांसेप्ट,पर्सनालिटी एंड इमोशनल इंटेलिजेंस इन प्राइमरी एजुकेशन एनालिसिस बाय जेंडर एंड कल्चरल ग्रुप, फ्रंटियर्स इन साइकोलॉजी, 2020